an>

Title: Need to set up a Committee to look into the grievances of people displaced due to establishment of industrial factories and power plants in Sidhi parliamentary constituency, Madhya Pradesh.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी)ः मेरे संसदीय क्षेत्र सीधी (मध्य प्रदेश) का एक बड़ा भूभाग सिंगरौली जिले के रूप में स्थित है जो बड़े उद्योगों एवं परियोजनाओं का कार्यक्षेत्र है जहां हिंडालको पावर एंड एल्यूमीनियम प्लांट, रिलायंस पावर प्लांट, एस्सार पावर प्लांट, जेपी कोल माइन्स और कई ऐसे उद्योग व परियोजनाएं स्थापित हैं। इन उद्योगों की स्थापना के फलस्वरूप हमारे सिंगरौली जिले के बहुत बड़े जनसमूह/परिवारों का विस्थापन हुआ है जो आज भी बहुत अधिक संख्या में विस्थापितों के आवश्यक व निर्धारित लाभ से वंचित है। जब मैं क्षेत्र प्रवास के लिए निकलती हूं तो हजारों की संख्या में विस्थापितों की समस्या से जुड़े हजारों मुरझाए चेहरे न्याय की गुहार लगाते आवेदन लिए खड़े रहते हैं। विस्थापित व्यक्ति को अपनी धरती, अपना आश्रय, आशियाना, वर्षों से पले पेड़-पौधे सब कुछ उन परियोजनाओं को देना पड़ता है जो सम्पति उस विस्थापित व्यक्ति के लिए सिर्फ सम्पति नहीं अपितु परम्परा से प्राप्त पूर्वजों की थाती है, धरोहर है जिससे उसका भावनात्मक लगाव भी है।

अतः मेरा माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री जी से अनुरोध है कि उन उद्योगों व परियोजनाओं के प्रबंधकों से विस्थापितों से जुड़ी सभी समस्याओं के निराकरण हेतु कमेटी गठित करवाने की कृपा करें जिससे उनकी समस्याओं का निदान हो सके।